गुरु बिन मुक्ति नाही

समझ मन मेरा गुरु बिना मुक्ति नाही ॥टेर॥
नीच वर्ण रविदास चमारा, गुरु किया मीराबाई।

विष का प्याला अमृत हो गया, गुरु महिमा तो जद गाई ॥1॥
चार वेद षट शास्त्र पढिया, पढिया सुखमुनि राई।

गया वैकुण्ठ मोड दिया पाछा गुरु ऐसा करे जद नाही ॥2॥
गुरु बिन कल्याण नही किसी का, लाख करो चतुराई।

भँवरलाल परस्या गुरुपद को ,धिन -धिन मौज सवाई ॥3॥
- रमेश राँगी भूतगाँव

Source: https://www.bharattemples.com/guru-bin-mukti-nahi/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw